समय से जमा नहीं की फीस तो परीक्षा में रोके जाएंगे विद्यार्थी

जागरण संवाददाता • लखनऊ : डा. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय ने शैक्षिक सत्र 2024-25 में अध्ययनरत विषम सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं को पाठ्यक्रम संबंधी सभी शुल्क जमा करने का मौका दिया है। विद्यार्थी बिना लेट फीस के (पीएच.डी पाठ्यक्रम को छोड़कर) पांच नवंबर तक अनिवार्य रूप से जमा कर दें। कुलसचिव रोहित सिंह ने इसकी सूचना जारी की है।

आदेश में साफ कहा है कि जिन विद्यार्थियों ने निर्धारित तिथि तक शुल्क नहीं जमा किया वे आगामी परीक्षाओं में नहीं प्रतिभाग कर सकेंगे। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा। विश्वविद्यालय के सभी विभागों के पटल सहायक एवं कंप्यूटर आपरेटरों को निर्देश दिए गए हैं कि वे विभाग में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं की अधिसत्र, सत्रवार शुल्क प्राप्ति का विवरण तैयार करके उसकी एक-एक प्रति लेखानुभाग व परीक्षा नियंत्रक कार्यालय को उपलब्ध कराएं।

अब 28 तक भरे जाएंगे बैक पेपर परीक्षा फार्म : डा. शकुंतला मिश्रा विश्वविद्यालय ने गुरुवार को सम सेमेस्टर के बैक पेपर परीक्षा फार्म भरने की तिथि 28 अक्टूबर तक बढ़ा दी है। परीक्षा नियंत्रक डा. अमित कुमार राय ने बताया कि अभी 26 सितंबर तक समय दिया गया था। लेकिन छात्र हित में तिथि फिर बढ़ाई गई है।

दृष्टिबाधित छात्रों को चुनौतियों का सामना करने के लिए किया प्रेरित

अमृत विचार, लखनऊ : दृष्टिबधितार्थ विभाग और स्कोर फाउंडेशन के सहयोग से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें स्कोर फाउंडेशन के संस्थापक जॉर्ज अब्राहम मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। यह कार्यक्रम दृष्टिबाधित छात्रों को उनके जीवन में आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रेरित करने और नए दृष्टिकोण और समाधान प्रदान करने के लिए किया गया। जॉर्ज अब्राहम ने बताया कि कैसे उन्होंने अपनी दृष्टिबधिता के बावजूद शिक्षा और रोजगार में सफलता हासिल की।

194 बच्चों में से 76 में शारीरिक विकार संबंधी लक्षण मिले

अमृत विचार, लखनऊः अंतर्राष्ट्रीय प्रोस्थेटिक व आर्थोटिक्स माह के तहत कृत्रिम अंग व पुनर्वास केंद्र डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुंनर्वास विश्वविद्यालय द्वारा पीएमश्री बेसिक स्कूल खुशहालगंज काकोरी में जागरुकता दिव्यांगता परीक्षण शिविर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बच्चों को दिव्यांगता के लक्षण जैसे फ्लैट फुट, घुटने का टेढ़ापन, रीढ़ की हड्डी का टेढ़ा होना और कएफोसिस जैसी विकृतियों के बारे जागरूक किया गया। इस अवसर पर 194 बच्चों का परीक्षण किया जिसमें से 76 बच्चों में शारीरिक विकारों के लक्षण दिखाई दिए। कार्यक्रम में बताया गया कि फ्लैट फुट जैसी छोटी सी विकृति के कारण सेना में भर्ती नहीं लिया जाता है। स्कूल की प्रधानाचार्य अंजली ने समाज के लिए किए जाने वाला जागरुकता कार्यक्रम की सराहना किया। टीम सहायक आचार्य श्रीसंत प्रकाश गौतम और डिमॉन्सट्रेटर श्रष्टी सिंह व छात्र सोनी कुमारी, जगदंबा शुक्ला, श्रीजा शुक्ला, ज्योति यादव की देखरेख में कार्यक्रम हुआ।